

दिल्ली एयरपोर्ट में घेरने उड़ानों के संचालन में हुआ फेरबदल
बड़ी बिल्ली, ईएमएस। इंडिगा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे, दिल्ली से यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए एक अहम सूचना है। 15 अप्रैल से डिंडोंगो और अंतर्राष्ट्रीय एयर की सभी घेरने उड़ानों का संचालन अब टर्मिनल-1 (टी1) से किया जाएगा। अब तक दोनों एयरलाइंस टर्मिनल-2 (टी2) से उड़ान भर रही थीं। यह बदलाव टर्मिनल-2 को निर्माण कार्य के लिए अस्थायी रूप से बंद किये जाने के चलते किया गया है।

राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय

केरल के मंत्री शिवनकुमारी ने हिंदी थोपने का आरोप लगाया

एनसीईआरटी की इंगितश मीडियम की पुस्तकों के हिंदी नाम पर विवाद

● तिवारनंपुरम, ईमएस

देश में इन दिनों भाषा का विवाद छिड़ा हुआ है। भाषा विवाद के बीच राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने इंगितश मीडियम की पुस्तकों को रोमां लिपि में हिंदी नाम दिए हैं। इन पुस्तकों को हिंदी नाम देने पर अब नया विवाद छिड़ा गया है। एनसीईआरटी के कदम का कई विशेषज्ञों और शिक्षाविदों ने विरोध भी किया है।

इस बीच केरल के सामान्य शिक्षा एवं रोजगार मंत्री वी. शिवनकुमारी ने एनसीईआरटी की अंग्रेजी माध्यम की पाठ्यपुस्तकों को हिंदी नाम देने के नियंत्रण की है। उन्होंने केंद्र पर सास्कृतिक धौषिण और देश की भाषा विविधता को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया है। राज्य मंत्री ने कहा, भाषा विविधता का सम्मान करने और बच्चों के मन में संवेदनशील दृष्टिकोण पैदा करने के लिए दशकों से इस्तेमाल हो रहे अंग्रेजी शैक्षिकों को बदलना ना अमंदगार और अंतर्राष्ट्रीय शैक्षिकों को प्राप्त होना चाहिए। एनसीईआरटी के कदम का कई विशेषज्ञों और शिक्षाविदों ने विरोध भी किया है।

इस बीच केरल के सामान्य शिक्षा एवं रोजगार मंत्री वी. शिवनकुमारी ने एनसीईआरटी की अंग्रेजी माध्यम की पाठ्यपुस्तकों को हिंदी नाम देने के नियंत्रण की है। उन्होंने केंद्र पर सास्कृतिक धौषिण और देश की भाषा विविधता को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया है। राज्य मंत्री ने कहा, भाषा विविधता का सम्मान करने और बच्चों के मन में संवेदनशील दृष्टिकोण पैदा करने के लिए दशकों से इस्तेमाल हो रहे अंग्रेजी शैक्षिकों को बदलना ना अमंदगार और अंतर्राष्ट्रीय शैक्षिकों को प्राप्त होना चाहिए। एनसीईआरटी के कदम का कई विशेषज्ञों और शिक्षाविदों ने विरोध भी किया है।

शिवनकुमारी ने अपनी बात में तर्क दिया, पाठ्यपुस्तकों में शैक्षिक

सिर्फ नाम नहीं हैं, वे बच्चों की धारणा और कल्पना को आकर देते हैं। अंग्रेजी माध्यम के छात्रों को अंग्रेजी शैक्षिक मिलना चाहिए। हाल ही में

एनसीईआरटी ने विभिन्न कक्षाओं के लिए पुस्तकों के नए नाम जारी कर दिए हैं। कक्षा 1 और 2 की किताबों का नाम अमंदगार और कक्षा 3 की किताब का नाम संतुर है। कक्षा 6 की अंग्रेजी की किताब का नाम बदलकर हीनीसकल से दूर्वा कर किया गया है। हाल के नाम परिवर्तनों ने भाषा विवाद को फिर से सुनाया दिया है, योग्यकारी के लिए एवं राज्यपाल सहित विभिन्न राज्यों के कई मत्रियों ने केंद्र पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (एनपीई) के माध्यम से स्कूली छात्रों पर हिंदी शैक्षिक कार्यालय करने का आरोप लगाया है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम्पेर स्टालिन ने वहां भी हिंदी शैक्षिकों के लिए केंद्र की अलैचाना कर चुके हैं। उनका दावा था कि केंद्र सरकार ने एनईपी में तीन भाषा फार्मले को लागू करने से इंकार करने के कारण राज्य के स्कूलों को कुछ धनराश देने से इंकार किया है।

एनसीईआरटी ने जारी की देश की आजाद हुए 75 साल पूरे हो चुके हैं। हमारे देश में अलग-अलग भाषा, जाति और संस्कृति के लोग रहते हैं। हम सब मिलनुकलर रहते हैं। डॉ. अंबेडकर ने राजनीति और प्रशिक्षण की प्रणाली को इस तरह बनाया कि सभी के हितों की रक्षा हो सके। स्टालिन ने कहा कि एक-एक कर राज्यों के अधिकार की रक्षा कर रहे हैं। वहीं राज्य के लोग अपने नौलिक अधिकारों के लिए केंद्र से लड़ रहे हैं। हम किसी तरह अपने भैंजा गया है, जिसके बाद मौत कर रही है।

शिवनकुमारी ने अपनी बात में तर्क दिया, पाठ्यपुस्तकों में शैक्षिक

सिर्फ नाम नहीं हैं, वे बच्चों की धारणा और कल्पना को आकर देते हैं। अंग्रेजी माध्यम के छात्रों को अंग्रेजी शैक्षिक मिलना चाहिए। हाल ही में

सीएम स्टालिन ने राज्य को स्वायत्त बनाने का प्रस्ताव पेश किया

तमिलनाडु में राज्यपाल से तानाली के बीच तमिलनाडु विधानसभा में मुख्यमंत्री एम्पेर स्टालिन ने राज्य को स्वायत्त बनाने का प्रस्ताव पेश किया है।

उन्होंने कहा कि देश को आजाद हुए 75 साल पूरे हो चुके हैं। हमारे देश में अलग-अलग भाषा, जाति और संस्कृति के लोग रहते हैं। हम सब मिलनुकलर रहते हैं। डॉ. अंबेडकर ने राजनीति और प्रशिक्षण की प्रणाली को इस तरह बनाया कि सभी के हितों की रक्षा हो सके। स्टालिन ने कहा कि एक-एक कर राज्यों के अधिकार की रक्षा कर रहे हैं। वहीं राज्य के लोग अपने नौलिक अधिकारों के लिए केंद्र से लड़ रहे हैं। हम किसी तरह अपने भैंजा गया है, जिसके बाद मौत कर रही है।

शिवनकुमारी ने अपनी बात में तर्क दिया, पाठ्यपुस्तकों में शैक्षिक

सिर्फ नाम नहीं हैं, वे बच्चों की धारणा और कल्पना को आकर देते हैं। अंग्रेजी माध्यम के छात्रों को अंग्रेजी शैक्षिक मिलना चाहिए। हाल ही में

मिलनुकलर रहते हैं। डॉ. अंबेडकर ने राजनीति और प्रशिक्षण की प्रणाली को इस तरह बनाया कि सभी के हितों की रक्षा हो सके। स्टालिन ने कहा कि एक-एक कर राज्यों के अधिकार की रक्षा कर रहे हैं। वहीं राज्य के लोग अपने नौलिक अधिकारों के लिए केंद्र से लड़ रहे हैं। हम किसी तरह अपने भैंजा गया है, जिसके बाद मौत कर रही है।

शिवनकुमारी ने अपनी बात में तर्क दिया, पाठ्यपुस्तकों में शैक्षिक

सिर्फ नाम नहीं हैं, वे बच्चों की धारणा और कल्पना को आकर देते हैं। अंग्रेजी माध्यम के छात्रों को अंग्रेजी शैक्षिक मिलना चाहिए। हाल ही में

मिलनुकलर रहते हैं। डॉ. अंबेडकर ने राजनीति और प्रशिक्षण की प्रणाली को इस तरह बनाया कि सभी के हितों की रक्षा हो सके। स्टालिन ने कहा कि एक-एक कर राज्यों के अधिकार की रक्षा कर रहे हैं। वहीं राज्य के लोग अपने नौलिक अधिकारों के लिए केंद्र से लड़ रहे हैं। हम किसी तरह अपने भैंजा गया है, जिसके बाद मौत कर रही है।

शिवनकुमारी ने अपनी बात में तर्क दिया, पाठ्यपुस्तकों में शैक्षिक

सिर्फ नाम नहीं हैं, वे बच्चों की धारणा और कल्पना को आकर देते हैं। अंग्रेजी माध्यम के छात्रों को अंग्रेजी शैक्षिक मिलना चाहिए। हाल ही में

मिलनुकलर रहते हैं। डॉ. अंबेडकर ने राजनीति और प्रशिक्षण की प्रणाली को इस तरह बनाया कि सभी के हितों की रक्षा हो सके। स्टालिन ने कहा कि एक-एक कर राज्यों के अधिकार की रक्षा कर रहे हैं। वहीं राज्य के लोग अपने नौलिक अधिकारों के लिए केंद्र से लड़ रहे हैं। हम किसी तरह अपने भैंजा गया है, जिसके बाद मौत कर रही है।

शिवनकुमारी ने अपनी बात में तर्क दिया, पाठ्यपुस्तकों में शैक्षिक

सिर्फ नाम नहीं हैं, वे बच्चों की धारणा और कल्पना को आकर देते हैं। अंग्रेजी माध्यम के छात्रों को अंग्रेजी शैक्षिक मिलना चाहिए। हाल ही में

मिलनुकलर रहते हैं। डॉ. अंबेडकर ने राजनीति और प्रशिक्षण की प्रणाली को इस तरह बनाया कि सभी के हितों की रक्षा हो सके। स्टालिन ने कहा कि एक-एक कर राज्यों के अधिकार की रक्षा कर रहे हैं। वहीं राज्य के लोग अपने नौलिक अधिकारों के लिए केंद्र से लड़ रहे हैं। हम किसी तरह अपने भैंजा गया है, जिसके बाद मौत कर रही है।

शिवनकुमारी ने अपनी बात में तर्क दिया, पाठ्यपुस्तकों में शैक्षिक

सिर्फ नाम नहीं हैं, वे बच्चों की धारणा और कल्पना को आकर देते हैं। अंग्रेजी माध्यम के छात्रों को अंग्रेजी शैक्षिक मिलना चाहिए। हाल ही में

मिलनुकलर रहते हैं। डॉ. अंबेडकर ने राजनीति और प्रशिक्षण की प्रणाली को इस तरह बनाया कि सभी के हितों की रक्षा हो सके। स्टालिन ने कहा कि एक-एक कर राज्यों के अधिकार की रक्षा कर रहे हैं। वहीं राज्य के लोग अपने नौलिक अधिकारों के लिए केंद्र से लड़ रहे हैं। हम किसी तरह अपने भैंजा गया है, जिसके बाद मौत कर रही है।

शिवनकुमारी ने अपनी बात में तर्क दिया, पाठ्यपुस्तकों में शैक्षिक

सिर्फ नाम नहीं हैं, वे बच्चों की धारणा और कल्पना को आकर देते हैं। अंग्रेजी माध्यम के छात्रों को अंग्रेजी शैक्षिक मिलना चाहिए। हाल ही में

मिलनुकलर रहते हैं। डॉ. अंबेडकर ने राजनीति और प्रशिक्षण की प्रणाली को इस तरह बनाया कि सभी के हितों की रक्षा हो सके। स्टालिन ने कहा कि एक-एक कर

